आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF HOUSING AND
URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ वार्ता

महिला विशेष संस्करण

स्वच्छ भारत मिशन–शहरी 2.0

न्यूजलेटर

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

भारत सरकार

"आज देश में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जिसमें देश की नारी–शक्ति पीछे रह गई हो। अन्य क्षेत्र, जहां महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया है, वो हैं – प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और स्वच्छता।"

श्री नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023

दिल्ली के भारत मंडपम में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने 11 जनवरी 2024 को 'स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023' का आयोजन किया, जिसमें माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भारत के शीर्ष स्वच्छ शहरों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान माननीय राष्ट्रपति ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का डैशबोर्ड भी लॉन्च किया। समारोह में 24 राष्ट्रीय, 20 जोनल और 54 राज्य स्तरीय पुरस्कारों की घोषणा की गई। इस वर्ष सबसे स्वच्छ शहर पुरस्कार में दो संयुक्त विजेताओं को शामिल किया गया, जिसमें बंदरगाह शहर सूरत ने इंदौर के साथ शीर्ष सम्मान हासिल किया, जबकि इससे पहले इंदौर लगातार 6 वर्षों तक अकेले शीर्ष स्थान पर रहा था। 1 लाख से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सासवड, पाटन और लोनावाला ने शीर्ष तीन स्थान हासिल किए। मध्य प्रदेश में महू छावनी बोर्ड को सबसे स्वच्छ छावनी बोर्ड घोषित किया गया। वाराणसी और प्रयागराज ने सबसे स्वच्छ गंगा टाउन्स में शीर्ष दो पुरस्कार जीते। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में शीर्ष तीन पुरस्कार जीते। चंडीगढ़ को सर्वश्रेष्ठ सफाई मित्र सुरक्षित शहर का पुरस्कार मिला। साल 2016 में 73 प्रमुख शहरों के मामूली मूल्यांकन के साथ शुरू हुए स्वच्छ सर्वेक्षण का महत्व वर्तमान संस्करण में 4477 शहरों को शामिल करने के बाद तेजी से बढ़ा है। साल का सबसे प्रतीक्षित पुरस्कार समारोह इस बार 3000 से अधिक मेहमानों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कचरा मुक्त शहरों के लिए स्टार रेटिंग प्रोटोकॉल के तहत 7–स्टार और 5–स्टार रेटेड शहरों के परिणामों की घोषणा करके एसबीएम–यू 2.0 के अंतर्गत कचरा मुक्त भारत के दृष्टिकोण को गति दी गई। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन मापदंडों के आधार पर शहरों का बड़े स्तर पर मूल्यांकन करने के लिए कचरा मुक्त शहरों के लिए संशोधित स्टार रेटिंग प्रोटोकॉल 2021 में लॉन्च किया गया था। 'एक तारीख एक घंटा एक साथ' अभियान और 2024 के लिए स्वच्छ भारत मिशन एंथम के विमोचन पर एक ऑडियो विजुअल प्रस्तुति से माननीय राष्ट्रपति की उपस्थिति में स्वच्छ भारत मिशन के 9 साल और स्वच्छता की भावना को जीवंत किया गया। गायक कैलाश खेर ने एंथम 'नया संकल्प है, नया प्रकल्प है' को अपनी आवाज दी है। पद्मश्री सुदर्शन पटनायक और उनकी टीम ने स्वच्छ भारत की यात्रा, उपलब्धियों और भावना को दर्शाते हुए एक लाइव सैंड आर्ट प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सूरत ने इंदौर के साथ सबसे स्वच्छ शहरों की श्रेणी में संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया।

स्वच्छांगिनी

पटना नगर निगम की 'स्वच्छांगिनी' पहल के अंतर्गत महिलाएं खुद शहर के सीवर और सेप्टिक टैंकों को साफ करने के लिए विशेष मशीनों का संचालन कर रही हैं और उन्हें ड्राइव भी करती हैं।

"जब हर कोई स्वच्छ सर्वेक्षण में योगदान देता है और उसमें भाग लेता है, तो यह वास्तव में आगे की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्वच्छ सर्वेक्षण में शहरों के प्रदर्शन के लिए मैं राज्यों और यूएलबी की प्रशंसा करती हूं। वर्ष 2023 का विषय 'वेस्ट टु वेल्थ' विचार करने योग्य और काफी महत्वपूर्ण विषय है। यह बेहद सराहनीय है कि स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे चरण में सर्कुलर अपशिष्ट प्रबंधन का पालन किया जा रहा है और अधिक से अधिक वस्तुओं की रीसाइक्लिंग और उनके पुन: उपयोग की दिशा में 'सर्कुलर अर्थव्यवस्था प्रक्रिया' स्थायी विकास के लिए सहायक सिद्ध हो रही है।"

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की राष्ट्रपति

"आज भारत का हर शहर ओडीएफ (खुले में शौच से मुक्त) है। यह इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि एसबीएम (स्वच्छ भारत मिशन) एक सरकारी कार्यक्रम से जन आंदोलन बन गया है। यह मिशन अंत्योदय से सर्वोदय के दृष्टिकोण का प्रमाण है। साल 2014 में कचरे का केवल 15–16% ही वैज्ञानिक प्रसंस्करण होता था, जबकि आज यह संख्या 77% हो चुकी है, अगले 2 से 3 वर्षों में 100% प्रसंस्करण हासिल कर लिया जाएगा।"

श्री हरदीप सिंह पुरी
केंद्रीय मंत्री

"पिछले नौ वर्षों में स्वच्छता की दृष्टि से कई दिखाई देने वाले परिवर्तन हुए हैं। यहां हर जगह, हर किसी के लिए शौचालय उपब्लध हैं। हमने देश का 90 प्रतिशत हिस्सा साफ कर दिया है, बाकी 10 प्रतिशत को साफ करने की आवश्यकता है। साल 2016 में 73 प्रमुख शहरों के मामूली मूल्यांकन से शुरू होकर वर्तमान संस्करण में 4477 शहरों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के बाद स्वच्छ सर्वेक्षण का महत्व काफी तेजी से बढ़ा है।"

श्री मनोज जोशी
सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

स्वच्छता दीदी

छत्तीसगढ़ की 'स्वच्छता दीदी' एक प्रभावी डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण और निपटान प्रणाली को कुशलतापूर्वक संभाल रही हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह 2023

माननीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी और मंत्रालय के सचिव श्री मनोज जोशी ने समारोह में मध्यम और छोटे स्वच्छ शहरों के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय और क्षेत्रीय पुरस्कार प्रदान किए। इस वर्ष, स्वच्छ शहर पुरस्कारों में लेगेसी डंपसाइटों पर काम करने, प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन करने, रिड्यूस, रीयूज करने, रीसाइक्लिंग के सिद्धांतों को लागू करने और सफाईमित्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी गई। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 ने कचरे को मूल्यवान संसाधनों में बदलने की ओर ध्यान केंद्रित किया और इसका मूल्यांकन 3,000 से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं की एक टीम द्वारा किया गया। नागरिक से जुड़ने और फीडबैक पर सर्वेक्षण का जोर रहा, जो इसकी सफलता में सहायक रहा है। कुल मिलाकर सर्वेक्षण में लगभग 409 मिलियन की आबादी को शामिल किया गया। इस साल मूल्यांकन के दौरान आश्चर्यजनक रूप से 12 करोड़ नागरिकों की प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं, जो विभिन्न चैनलों के माध्यम से लोगों के जुड़ने का अभूतपूर्व स्तर दर्शाती हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण ने शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना जगाई, जिससे वे शहरी स्वच्छता बढ़ाने और शहरवासियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित हुए हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों का ध्यान केवल विजेता स्वच्छ शहरों को पुरस्कृत करने पर ही नहीं है, बल्कि उन शहरों को मान्यता देने पर भी है जिन्होंने इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है और कचरा मुक्त वातावरण बनाने के लिए विभिन्न पहलों को अपने क्षेत्र में लागू किया। स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार शहरों और नागरिकों के लिए नए दृढ़ संकल्प और उत्साह के साथ कचरा मुक्त शहर बनाने के लक्ष्य की ओर खुद को फिर से प्रतिबद्ध करने के लिए एक मंच देने का काम करता है। स्वच्छ सर्वेक्षण ने शहरी परिदृश्य में परिवर्तन कर उसके कायाकल्प के रास्ते खोले हैं। यह अब एक प्रेरक उपकरण के रूप में काम कर रहा है और राज्यों/शहरों के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है। कचरा मुक्त शहर बनाने के लक्ष्य के साथ, अब बदलाव लाने का समय आ गया है।

केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 में टीम विशाखापत्तनम को पुरस्कृत किया।

टीम निजामपेट को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय सचिव श्री मनोज जोशी से स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार प्राप्त हुआ।

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 में स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल

स्वच्छ सर्वेक्षण समारोह में स्वयं सहायता समूहों द्वारा रंग–बिरंगे स्टॉल लगाए गए, जिनमें हस्तशिल्प, कलाकृतियां और कचरे से बने अन्य उत्पाद बेचे गए। स्टॉलों में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए कई उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिसमें अपसाइकल किए गए कपड़े के थैलों से लेकर केले के पत्तों के शोपीस तक, बांस के उत्पादों से लेकर 'रिड्यूस रियूज रीसाइक्लिंग' की ओर ध्यान केंद्रित करने वाले आभूषण तक शामिल थे। बिहार, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों ने अगरबत्तियां, जूट वेस्ट से बने हस्तशिल्प, बेकार कपड़ों से बने बैग आदि जैसे सुंदर हस्तनिर्मित उत्पाद बेचे। इस रंग–बिरंगी प्रदर्शनी ने केवल लोगों का ध्यान ही नहीं खींचा, बल्कि सभी स्टॉलों पर स्वच्छता की दिशा में उठाए गए कदमों की प्रेरक कहानियां थीं। स्वच्छता की कहानी, स्वच्छता में महिला नेतृत्व की कहानी, कचरे से सर्वोत्तम उत्पाद बनाने तक की कहानी।

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 में प्रदर्शनी

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों के दौरान 11 जनवरी 2024 को अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और उपकरणों की एक रोमांचक श्रृंखला प्रदर्शित की गई। मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों, सीवेज क्लीनिंग रोबोट, अपशिष्ट संग्रह और परिवहन वाहनों ने कार्यक्रम स्थल पर आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया।

मिशन शक्ति

'मिशन शक्ति' ओडिशा में एक बड़ा कुशल कार्यबल है जो कई तरह की सेवाएं प्रदान करता है, सुविधाओं का प्रबंधन करता है और स्थायी स्वच्छता की प्रक्रिया को सपोर्ट करता है।

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 के शीर्ष स्वच्छ शहर

SWACHH SURVEKSHAN AWARDS 2023

All India Clean City Rank 1	Indore & Surat
All India Clean City Rank 3	Navi Mumbai
All India Clean City Rank 1 (Population < 1 Lakh)	Sasvad
All India Clean City Rank 2 (Population < 1 Lakh)	Patan
All India Clean City Rank 3 (Population < 1 Lakh)	Lonavala
Cleanest Cantonment Board	Mhow Cantonment Board
Best Safaimitra SurakshitSeher	Chandigarh
Cleanest Ganga Town Rank 1	Varanasi
Cleanest Ganga Town Rank 2	Prayagraj

ZONAL CLEAN CITY AWARDS

Zonal (North)	Zonal (East)	Zonal (North East)	Zonal (South)	Zonal (West)
Clean City (North Zone) (Population < 15,000) Winner: Barwar	Clean City (East Zone) (Population < 15,000) Clean City within State (Population < 1,00,000) Winner: Chikiti	Clean City (North East Zone) (Population < 15,000) Winner: Jiribam	Clean City (South Zone) (Population < 15,000) Winner: Kilvelur	Clean City (West Zone) (Population < 15,000) Winner: Panchgani
Clean City (North Zone) (Population between 15,000 - 25,000) Clean City within State (Population < 1,00,000) Winner: Mullanpur Dakha	Clean City (East Zone) (Population between 15,000 - 25,000) Winner: Arang	Clean City (North East Zone) (Population between 15,000 - 25,000) Clean City within State (Population < 1,00,000) Winner: Mohanpur	Clean City (South Zone) (Population between 15,000 - 25,000) Clean City within State (Population < 1,00,000) Winner: Gundlapochampally	Clean City (West Zone) (Population between 15,000 - 25,000) Clean City within State (Population < 1,00,000) Winner: Budni
Clean City (North Zone) (Population between 25,000 - 50,000) Winner: Anupshahr	Clean City (East Zone) (Population between 25,000 - 50,000) Winner: Kumhari	Clean City (North East Zone) (Population between 25,000 - 50,000) Winner: Golaghat	Clean City (South Zone) (Population between 25,000 - 50,000) Winner: Nizampet	Clean City (West Zone) (Population between 25,000 - 50,000) Winner: Gadhinglaj
Clean City (North Zone) (Population between 50,000-1,00,000) Clean City withinState (Population < 1,00,000) Winner: Gajraula	Clean City (East Zone) (Population between 50,000-1,00,000) Winner: Mahasamund	Clean City (North East Zone) (Population between 50,000-1,00,000) Clean City within State (Population < 1,00,000) Winner: Lunglei	Clean City (South Zone) (Population between 50,000-1,00,000) Winner: Siddipet	Clean City (West Zone) (Population between 50,000-1,00,000) Winner: Karhad

जीएफसी (कचरा मुक्त शहर) स्टार रेटिंग और ओडीएफ सर्टिफिकेशन 2023

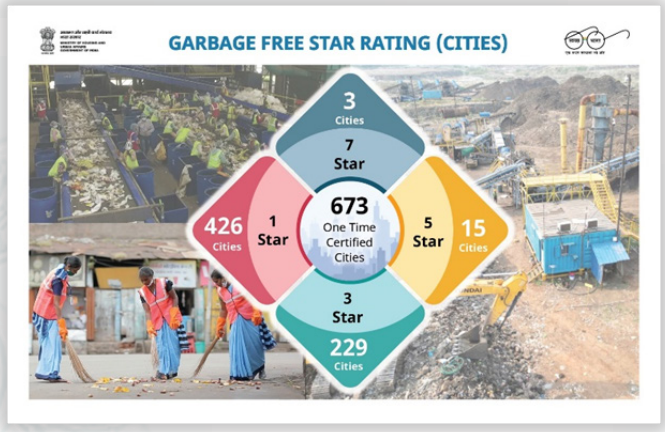

कचरा मुक्त शहरों की दिशा में स्वच्छता यात्रा लगातार आगे बढ़ रही है। इस साल इंदौर के साथ सूरत और नवी मुंबई 7 स्टार शहरों की श्रेणी में शामिल हो गए। एक बार प्रमाणित हो चुके शहरों की संख्या 2022 में 445 से बढ़कर 2023 में 673 हो गई है। रायपुर, राजकोट, पिंपरी चिंचवाड़, पुणे, गुंटूर और ग्रेटर हैदराबाद कचरा मुक्त शहरों की श्रेणी में 2023 में प्रमाणित किए गए नए 5 स्टार रेटिंग प्राप्त शहर हैं।

ओडीएफ प्रमाणन प्राप्त करने वाले शहरों में तेजी से वृद्धि देखी गई है, विशेष रूप से ओडीएफ़ और वॉटर श्रेणी की दिशा में, जो कि राज्यों, यूएलबी और नागरिकों के अथक प्रयासों और निरंतर योगदान को दर्शाता है। 4,800 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों को ओडीएफ घोषित किया गया है और लगभग 4,000 को ओडीएफ़ प्रमाणित किया गया है।

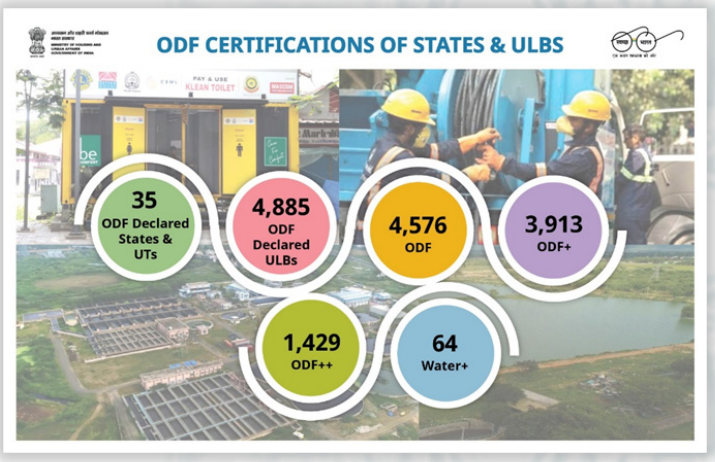

स्वच्छता के क्षेत्र में महिला नेतृत्व

ग्रीन क्रूसेडर: डॉ. शांति का अपशिष्ट प्रबंधन मिशन

दंत चिकित्सक से पर्यावरणविद् बनीं डॉ. शांति तुम्मला, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट राउंड टेबल (एसडब्ल्यूएमआरटी) की प्रमुख सदस्य और घरेलू खाद बनाने की विशेषज्ञ हैं। कचरा इकट्ठा करने वालों के सामने आ रही चुनौतियों से प्रेरित होकर, वह स्रोत पृथक्करण और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने के प्रयासों का नेतृत्व कर रही हैं। घर–घर जाकर और सामुदायों की एकजुटता के माध्यम से, वह अपशिष्ट पृथक्करण के बारे में जागरूकता बढ़ा रही हैं और नियमों का पालन नहीं करने वाले क्षेत्रों पर दंड लागू करने के लिए बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) मार्शल के साथ सहयोग कार्य करती हैं। वह महिलाओं को कपड़े के पैड या मासिक धर्म कप का उपयोग करने और मासिक धर्म से जुड़े स्थायी अभ्यास अपनाने के प्रति शिक्षित कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, वह पुन: उपयोग में आने वाली कटलरी को भी बढ़ावा दे रही हैं और दुकानों में एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक डिस्पोजल से परहेज करने की सलाह दे रही हैं। प्रोजेक्ट टीम के हिस्से के रूप में, डॉ. शांति ने 106000 घरों में सफलतापूर्वक जागरूकता पैदा की है, जिससे वार्डों में 90% पृथक्करण स्तर बनाने में सफलता मिल सकी।

मुंबई की वेस्ट पिकर से ईको वॉरियर बनीं सुशीला

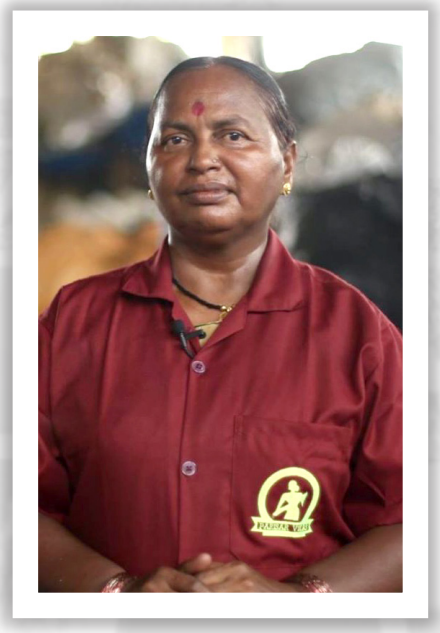

सुशीला साबले 47 वर्षों से अधिक समय से कूड़ा बीनने का काम कर रही हैं और अपने प्रयासों से मुंबई शहर को साफ रख रही हैं। 1998 में वह कूड़ा बीनने के एक भारतीय गठबंधन, श्री मुक्ति संगठन के संपर्क में आईं। वहां उन्होंने कूड़ा बीनने वालों से सीखा कि कूड़ा अलग करना क्यों महत्वपूर्ण है। सुशीला साबले ने जल्द ही कूड़ा बीनने वाली महिलाओं का एक स्वयं सहायता समूह शुरू किया और सूखा कचरा संग्रहण केंद्र शुरू करने के लिए पर्याप्त धन बचाया। यहीं से उनकी एक पर्यावरणविद् के रूप में यात्रा शुरू हुई। वह पहली शख्स थीं जिसने सशक्तीकरण के साधन के रूप में एसएचजी के निर्माण का सुझाव दिया और मात्र 10 माह की अल्प अवधि में ही उनके क्षेत्र में 10 एसएचजी का निर्माण हुआ। वह अकेली कूड़ा बीनने वाली महिला थीं जिन्होंने ब्राजील में आयोजित सस्टेनेबल पर रियो 20 संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 'शून्य अपशिष्ट आंदोलन' का नेतृत्व करते हुए, इस दौरान वह 3,000 महिलाओं को कचरा पृथक्करण और पुनर्चक्रण का प्रशिक्षण देती हैं और सामुदायिक कल्याण कार्यक्रमों का भी समर्थन करती हैं।

बैणी सेना

हलद्वानी में बैणी सेना नामक महिलाओं की फौज उत्तराखंड में सर्वेक्षण, लोगों को कचरे के पृथक्करण की जागरूकता व उपयोगकर्ता शुल्क प्रबंधन कर कुमाऊँ की पहाड़ियों की स्वच्छता सुनिश्चित करती हैं।

स्वच्छता के क्षेत्र में महिला नेतृत्व

महिलाओं को सशक्त बनाकर समुदायों में परिवर्तन लाईं रानी

पटना के चीना कोठी की हलचल भरी बस्ती में 28 वर्षीय रानी देवी अपने परिवार को चलाने और उसके उज्जवल भविष्य के लिए मेहनत कर रही हैं। घरों में काम–काज से लेकर सफाईकर्मी के रूप में काम करने वाली रानी की आय से उनके परिवार का भरण–पोषण मुश्किल से हो पाता था। लेकिन आशा की एक किरण उन्हें तब दिखाई दी जब यूएनएफपीए (UNFPA) और पटना नगर प्रशासन द्वारा संचालित एक परिवर्तनकारी पहल, महिला मशीनीकृत सफाई सहकारी के बारे में पता चला। आर्थिक स्वतंत्रता और गरिमा की संभावना को देखते हुए रानी ने हाथ से होने वाले काम को छोड़ मशीनें और सुरक्षा उपकरण उपयोग करने के अवसर का लाभ उठाया। अपने अथक प्रयासों के बूते रानी ने न केवल आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित की बल्कि अपने समुदाय से सम्मान भी पाया।

संगीता की जीत: शौचालय और परिवर्तन की कहानी

35 वर्षीय दृढ़निश्चयी संगीता अवस्थी ने खुद को बाबा घाट, कानपुर की झुग्गी–बस्तियों में एक सामुदायिक नेता की भूमिका में पाया। 20 साल से विवाहित इस स्त्री को अपने पति के घर में शौचालय की उचित सुविधाएं न होने के कारण शौच के लिए बाहर जाने का अपमान झेलना पड़ता था। वर्षों तक इस प्रकार के कष्ट झेलने के बाद उसके जीवन में बदलाव तब आया जब श्रमिक भारती नाम के एक निर्लाभ संगठन ने स्वच्छता और जल अधिकारों पर प्रकाश डाला। इसी से प्रेरित संगीता, मिशन स्वच्छता पर चल निकली और अपने घर से शुरुआत करते हुए उसने पाई–पाई जोड़ कर एक शौचालय बनवाया। सरकार और श्रमिक भारती से मिलने वाली सहायता के बूते वह सफल हो पाई। इससे उसका उत्साह बढ़ा और उसने अपने समुदाय में पानी की कमी की समस्या की ओर ध्यान केंद्रित किया। अपने दृढ़ निश्चय और नेतृत्व के बल पर संगीता अपनी बस्ती में परिवर्तन लायी और बस्ती वालों को गरिमा और आधारभूत सुविधाओं से जीने योग्य बनाया।

स्वच्छता के क्षेत्र में महिला नेतृत्व

कक्षा से समुदाय तक: सीमा का स्वच्छता अभियान

चंडीगढ़ के सेंट स्टीफन स्कूल की एक अध्यापिका श्रीमती सीमा गुप्ता का स्वच्छता के प्रति प्रेम और स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन की ओर समर्पण प्रेरणादायक है। 2007 से ही वे लगातार छोटे बच्चों को अपशिष्ट पृथक्करण, होम कम्पोस्टिंग और वेस्ट टु आर्ट गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करती रही हैं। उन्होंने न केवल छात्रों के बीच प्रभावी जीवन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई है बल्कि स्वच्छ वातावरण में भी योगदान दिया है। श्रीमती गुप्ता का समर्पण स्वच्छ और हरा–भरा चंडीगढ़ बनाने की दिशा में बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। वह छात्रों को प्लास्टिक के उत्पादों के प्रयोग से बचने और संग्राहकों को कचरा देने से पहले कूड़ेदान की जाँच करने के लिए भी प्रोत्साहित करती हैं। उनका उद्देश्य छात्रों को शिक्षित करने के साथ–साथ उनके परिवारों को भी अच्छी आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में भोपाल की अग्रणी महिलाएं

भोपाल में महिलाएं शहर के अंदर साफ–सफाई बनाए रखने और अपशिष्ट प्रबंधन की पहल को बढ़ावा देने के लिए आगे आ रही हैं। 250 महिलाओं के एक समूह, साकारात्मक सोच नामक ब्रांड एंबेसडर और भोपाल नगर निगम का एक सामूहिक प्रयास यह सुनिश्चित करता है कि सभी कार्यक्रम शून्य अपशिष्ट और उचित अपशिष्ट निपटान प्रथाओं के साथ संचालित किए जाएं। इस समूह के सदस्य उन कार्यक्रमों से किनारा कर लेते हैं जहां सिंगल यूज प्लास्टिक इस्तेमाल होती है और इन्होंने 25 वार्डों में बर्तन बैंक भी स्थापित किए हैं। इसी प्रकार, स्वच्छता किट्टी समूह शहर की स्वच्छता में सक्रिय योगदान दे रहा है और कचरा पृथक्करण के बारे में जागरूकता फैला रहा है। इस समूह का प्रत्येक सदस्य हर महीने 100 रुपए का योगदान देता है और साफ–सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन का स्तर सुधारने पर केंद्रित कई सामुदायिक गतिविधियों में बढ़–चढ़ कर भाग लेता है।

स्वच्छ तीर्थ कैंपेन

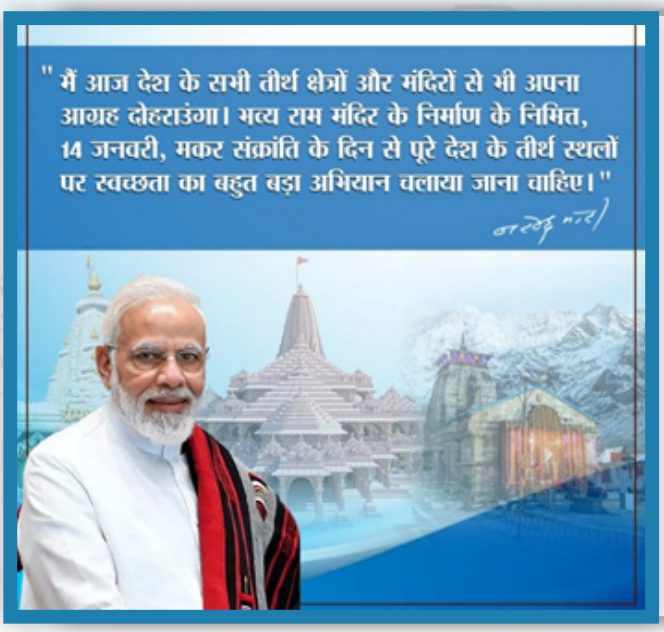

30 दिसंबर, 2023 को उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के सभी तीर्थ स्थलों की स्वच्छता के लिए 14 से 22 जनवरी, 2024 तक सामूहिक स्वच्छता का आग्रह किया। प्रधानमंत्री के आह्वान के साथ कदम मिलाते हुए एसबीएम–यू ने उसी सप्ताह के दौरान स्वच्छ तीर्थ अभियान की शुरुआत की। अभियान में स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी के माध्यम से लोगों को 3 आर अवधारणा और वेस्ट टु वेल्थ थीम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सभी नागरिकों से देश भर के मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाने का आग्रह किया। महाराष्ट्र में नासिक के कालाराम मंदिर में उन्होंने खुद भी सफाई की।

SWaCH

SWaCH, संगठन पुणे नगर निगम प्रणाली के अंतर्गत डोर टू डोर कचरा संग्रहण प्रबंधन करता है, इसमें लगभग 3000 महिला कर्मचारी कार्यरत हैं।

स्वच्छ तीर्थ कैंपेन

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने असम के तेजपुर नगर निगम क्षेत्र स्थित महाभैरब मंदिर में स्वच्छ तीर्थ अभियान में भाग लिया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छता अभियान के साथ 'स्वच्छ तीर्थ' अभियान की शुरुआत की साथ ही अयोध्या के सरयू घाट पर बायो–टॉयलेट लगाए गए और गोरखपुर में फूलों के कचरे के लिए कचरा संग्रहण वाहन लॉन्च किया गया।

एनडीएमसी टीम ने स्वच्छ तीर्थ अभियान के दौरान श्री बंगला साहिब गुरुद्वारे एवं हनुमान मंदिर पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया और नागरिकों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया।

पिंपरी चिंचवड़, महाराष्ट्र में रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल की आदत के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए दुर्गा माता मंदिर के पास एक आरआरआर सेंटर स्थापित किया।

स्वच्छता के लिए मैदान में उतरे शहर

चंडीगढ़

75वें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान विभिन्न शहरों ने स्वच्छता से प्रेरित होकर अपनी अनूठी झाँकियाँ प्रदर्शित की। चंडीगढ़ की झांकी पूरी तरह से कचरे से तैयार की गई जो सफाईमित्र सुरक्षित शहर के परिवर्तन को दर्शाता है। वहीं पटना ने भी अपनी झांकी से रोजमर्रा की जिंदगी में रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल की अवधारणा को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। कई अन्य शहरों ने पिछले 9 वर्षों में स्वच्छ भारत मिशन के महत्व और प्रभाव पर अपनी विशिष्ट थीम वाली झांकियों के माध्यम से प्रकाश डाला।

इंदौर

2 फरवरी, 2024 को इंदौर ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाने के लिए सिरपुर झील के निकट एक कार्यक्रम की मेजबानी कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया। जीरो वेस्ट ईवेंट पर आधारित यह आयोजन न केवल शहर की प्रतिबद्धता और स्थिरता को रेखांकित करता है बल्कि स्वच्छ भारत मिशन में सक्रिय भागीदारी का एक ज्वलंत उदाहरण भी पेश करती है। आयोजन के दौरान झील के किनारे 350 किलो गीला कचरा और 65 किला सूखे कचरे को अलग कर अपशिष्ट में कमी और उचित निपटान के महत्व पर बल दिया।

भुवनेश्वर

भुवनेश्वर अपने सफाई कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। शहर की एमसी टीम ने हाल ही में स्वच्छता के लिए समर्पित महिला सफाईकर्मियों के लिए एक योग सत्र का आयोजन किया जिसका उद्देश्य मानसिक और शारीरिक कल्याण का पोषण करना था। यह पहल न केवल शहर की स्वच्छता के लिए प्रतिबद्धता रेखांकित करती है बल्कि अपने स्वच्छता कर्मचारियों के स्वास्थ्य के प्रति सजगता को भी दर्शाता है।

स्वच्छता के लिए मैदान में उतरे शहर

चंडीगढ़

बिरुर, कर्नाटक से महिला प्रतिनिधियों ने अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों का अध्ययन करने के लिए चंडीगढ़ का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, प्रतिनिधियों ने पिंक एमआरएफ, जल कार्य सहित सुविधाएं और बागवानी अपशिष्ट संयंत्र सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी ली। इसके अतिरिक्त, प्रतिनिधियों ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के बारे में प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त किया साथ ही सीएंडडी वेस्ट प्लांट, जो टाइल्स, ईंटें और पेवर ब्लॉक बनाती हैं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

गोरखपुर

गोरखपुर की टीम स्वच्छ ने रानी लक्ष्मीबाई पार्क और नगरपालिका उद्यान में स्वच्छ बसंत कार्यक्रम का जश्न मनाया। कार्यक्रम में रंग–बिरंगे फूलों और सुंदर रंगोली द्वारा अलंकरण किया गया। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार ने शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) स्तर पर स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए पूरे क्षेत्र में हरित पहल और प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया।

रतलाम

रतलाम के स्वच्छता मिनी मैराथन में सभी उम्र के लोगों की भागीदारी और उत्साह देखा गया। सभी लोगों ने स्वच्छता की प्रतिज्ञा ली। कुल 3000 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए 4 किलोमीटर की दौड़ में भाग लिया।

स्वच्छता के लिए मैदान में उतरे शहर

धर्मशाला एवं दिल्ली

वेस्ट मैनेजमेंट की दिशा में एक सराहनीय प्रयास के तौर पर धर्मशाला ने IHSDP में 5 मीट्रिक टन हर हफ्ते (MTW) की क्षमता वाला एक वेस्ट टु बायोगैस प्लांट लगाया है। इस प्लांट में ऑर्गेनिक अपशिष्ट को बायोगैस में बदला जाता है, जिससे कचरा भी कम होता है और एनर्जी भी तैयार की जाती है। वहीं दिल्ली के निजामुद्दीन ईस्ट, जो कि एक जीरो वेस्ट कॉलोनी है, में वेट वेस्ट कंपोस्टिंग फेसिलिटी चालू कर अपशिष्ट प्रबंधन को गति दी गई है।

सूर्यापेट

संत सेवालाल निरंकार संस्थान और ट्यूलिप इंटर्नशिप छात्रों के साथ मिल कर सूर्यापेट एमसी की एक सेल्फ हाईजीन और पर्यावरण की सफाई को बढ़ावा देती पहल के तहत तेलंगाना के सूर्यापेट स्थित सद्धाला तालाब पर सफाई अभियान चलाया गया। तालाब से हानीकारक प्लास्टिक हटाने का यह सजग प्रयास दर्शाता है कि जल प्रदूषण से बचने और पर्यावरण को स्वस्थ बनाने के महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं।

गाजियाबाद

कुशल वेस्ट सेग्रीगेशन और सर्कुलर इकॉनमी की पहल के बारे में जानकारी बढ़ाने के लिए पंद्रह देशों के प्रवासियों ने गाजियाबाद की सिहानी कचरा फैक्ट्री का दौरा किया। गाजियाबाद नगर निगम ने सस्टेनेबल वेस्ट मेनेजमेंट के लिए जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सफाईमित्रों के बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा कार्यक्रमों का महत्व भी समझाया।

पौराकर्मिक

बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका के पौराकर्मिकों द्वारा सार्वजनिक स्थलों की साफ–सफाई और गलियों में फैले कचरे को इकट्ठा किया जाता है।

क्षमता निर्माण की पहल और राज्यों की बैठकें

30 जनवरी 2024 को गांधीनगर, गुजरात में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 कार्यशाला में टीम स्वच्छ ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में गुजरात के प्रदर्शन का अवलोकन किया। यह कार्यशाला ODF, ODF+, ODF++, Water + और कचरा मुक्त शहरों की टूलकिट के लिए महत्वपूर्ण मापदंडों के अवलोकन, स्वच्छ सर्टिफिकेशन प्रोटोकॉल पर केंद्रित थी। कार्यक्रम का आयोजन महात्मा मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर में हुआ। यह कार्यशाला विशेष रूप से गुजरात के प्रमुख शहरों के लिए तैयार की गई थी जिसमें मेयर, आयुक्त, राष्ट्रपति, प्रमुख अधिकारी एवं नोडल अधिकारी सहित हितधारकों ने भाग लिया।

MoHUA ने वेस्ट टु कम्पोस्ट, मेटिरियल रिकवरी फेसिलिटी, कम्प्रेस्ड बायोगैस परियाजनाओं और वेस्ट टु इलेक्ट्रीसिटी परियोजना पर एक मॉडल बिड डॉक्यूमेंट तैयार किया। 7 से 16 फरवरी, 2024 तक आयोजित इन मॉडल बिड डॉक्यूमेंट्स पर प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य और यूएलबी अधिकारियों को मॉडल बिड (आरएफपी और रियायत समझौते दस्तावेजों) के प्रमुख बिंदुओं की ओर उन्मुख करना था। ये दस्तावेज अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं के विकास के लिए बिड प्रक्रियाओं के मानकीकरण के लिए हैं।

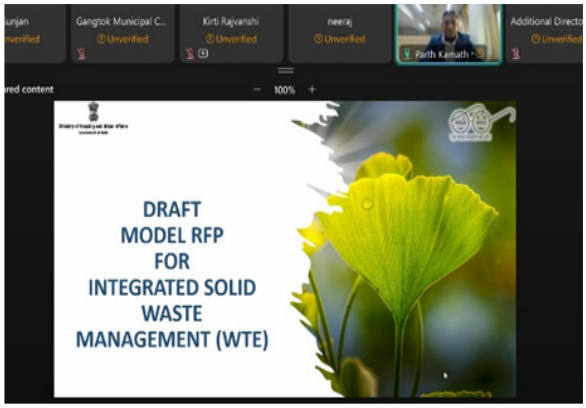

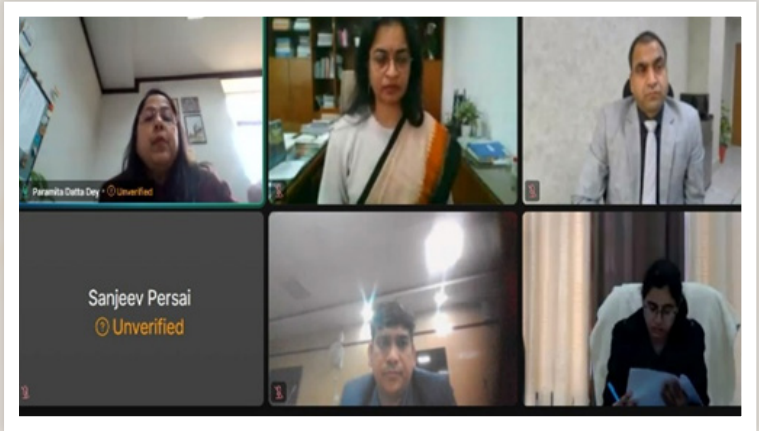

स्वच्छता नॉलेज पार्टनर्स (एसकेपी) के संबंध में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक श्रीमती रूपा मिश्रा ने राज्यों के मिशन निदेशकों के साथ हुई बैठक की अध्यक्षता की। कार्यान्वयन को गति देने और परिणाम प्राप्त करने के लिए राज्यों और शहरों को व्यापक क्षमता विकास सहायता प्रदान करने हेतु एसबीएम–यू 2.0 के तहत 23 एसकेपी को सूचीबद्ध किया गया है।

क्षमता निर्माण की पहल और राज्यों की बैठकें

एसबीएम–यू के तहत मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए डॉ. वी के चौरसिया, संयुक्त सलाहकार, सीपीएचईईओ ने 26 फरवरी, 2024 को सीएमईआरआई के 67वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सीएमईआरआई, दुर्गापुर का दौरा किया। उपकरणों के परीक्षण, प्रशिक्षण के लिए दिशानिर्देश, एसओपी विकसित करने और अपशिष्ट प्रबंधन में संबंधित कार्मिकों की ट्रेनिंग आदि विषयों पर एसबीएम–यू और सीएमईआरआई ने चर्चा की।

जल सुरक्षित और कचरा मुक्त शहर सुनिश्चित करने के लिए पूरक वित्तीय सहायता के दृष्टिकोण से यूआईडीएफ के उपयोग पर एसबीएम 2.0 और अमृत 2.0 के प्रमुख अभियानों की प्रगति की स्थिति की समीक्षा करने के लिए 14 फरवरी, 2024 को एक बैठक बुलाई गई।

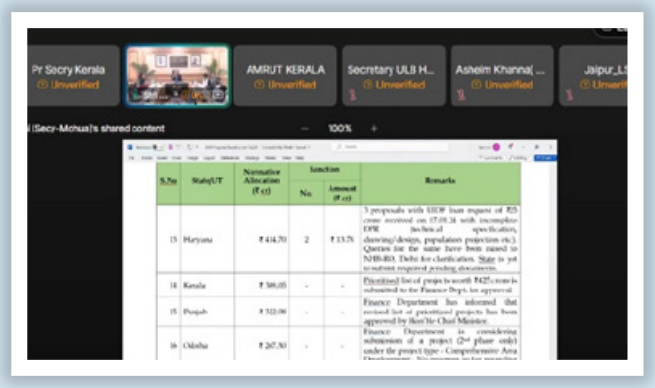

गोबरधन योजना के अंतर्गत शहरी इलाकों में स्थापित किए जाने वाले 75 सीबीजी संयंत्रों के अनुरूप, 27 फरवरी, 2024 को श्री मनोज जोशी, सचिव (MoHUA) की अध्यक्षता में विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्रों के कार्यान्वयन की स्थिति पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

सोशल मीडिया ट्रेंड्स

Swachh Bharat Urban @Swach... · 2d
The #Zerowaste event is hosted by @PanvelCorp and Shri. Ravisheth Patil Samajik Samatha on the occasion of Maghi Shree Ganesh Jayanti by making a vow for a greener tomorrow.

#SayNotoPlastic and embrace waste segregation for #SwachhBharat .

Swachh Bharat Urban @S... · 06 Feb
#WastetoWealth अवधारणा पर ध्यान देते हुए नगर पंचायत महोली,सीतापुर में पुराने अनुपयोगी वस्तुओं जैसे पुराने टायरों आदि का उपयोग स्थानों के सौंदर्यीकरण में किया जा रहा है।

इस सराहनीय कदम द्वारा स्वच्छता के साथ-साथ सुन्दरता भी नजर आ रही है।

Swachh Bharat Urban @S... · 03 Feb
Kudos to @SwachhIndore for their zero-waste triumph on #WorldWetlandDay at Sirpur Lake. Processing 350 kg of wet waste on-site and segregating 65 kg of dry waste underscores their commitment to #SwachhBharat stewardship.

sbmurbangov

31 likes
sbmurbangov #SwachhBharat के लिए देश में हर वर्ग के लोग अपनी भागीदारी दे रहे हैं।

@bmcbhopal के सहयोग से SBI की पूरी टीम द्वारा स्वच्छता के लिए श्रमदान में सहभागिता प्रशंसनीय है।

स्वच्छता हम सबकी जिम्मेदारी है, अत: शहरों को स्वच्छ रखने में

sbmurbangov

23 likes
sbmurbangov हमारे सफाईमित्रों की सुरक्षा और उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए नगर निगमों द्वारा समय-समय पर #SafaiMitraSuraksha शिविर लगाए जाते हैं।
इसी क्रम में @nagarnigamgkp द्वारा सफाई मित्रों का पंजीकरण EPFO एवं ESIC में किया गया ताकि उन्हें पेंशन, चिकित्सा और दुर्घटना आदि में सहायता मिल सके।

साथ ही सफाई मित्रों के परिवारों के स्वास्थ्य की नियमित जाँच के लिए AIIMS गोरखपुर के साथ ज्ञापन भी किया गया ।

समारोह के दौरान #RRR सेंटर भी प्रदर्शित किये गये।

sbmurbangov

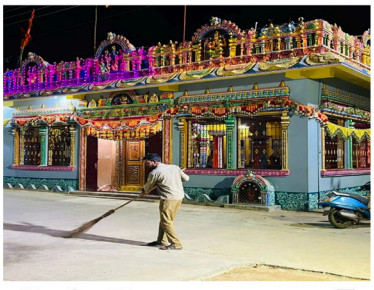

20 likes
sbmurbangov Commendable efforts by the Commissioner and Chairman in leading @kalwakurthy__municipality's #SwachhTeerthCampaign Their commitment to

Swachh Bharat Mission - Urban
3d ·
Promoting waste segregation at its source! Youth and officials from Gwalior Municipal Corporation join hands to raise awa... See more

Swachh Bharat Mission - Urban
Jan 26 ·
Incredible! Municipal Corporation Chandigarh #75thRepublicDay float, crafted entirely from waste, beautifully highlights the city... See more

Swachh Bharat Mission - Urban
Jan 23 ·
सही कचरा प्रबंधन भोपाल शहर की यूएसपी है।

निर्माल्य संग्रहण के लिए नगर निगम द्वारा वाह... See more

स्वच्छता खबरों में...

What worked, and what didn't, for the Capital in cleanliness rankings

Paras Singh

Delhi's performance in Swachh Survekshan

NDMC judged as 7th cleanest urban local body (ULB) with a population above 100,000; MCD ranks 90th

Local body	Ranking	Score (out of 9,500)
NDMC	7 (of 446)	8728.30
MCD	90 (of 446)	6114.70
Delhi Cantt*	7 (of 61)	5072.40

(*Cantonments have a separate category)

NDMC has also been judged the cleanest city among Union territories

How were urban local bodies assessed? 9,500 marks

Report card

Past performance:

दैनिक सवेरा

शहर के मंदिरों से एकत्र किए बेकार फूलों से ग्रामीण महिलाएं बना रहीं धूप

पीयू के रोज फैस्टिवल में एक्टस टीम के लगाए स्टॉल में खरीददारों की भीड़

प्लास्टिक की बोतलों को काटकर ग्रामीण महिलाएं अपनी कलाकारी से अच्छे शोपीस तैयार करती हुईं।

पत्रिका

शहर में पहली बार कबाड़ से बनाया सेल्फी पाइंट

कभी यहां लोग डालते थे कचरा, अब बन गया सुंदर बगीचा

एक्सक्लूसिव

कबाड़ की बोतलों से बनाया आर्टिफिशल पेड़

अब यहां आकर स्वच्छता के संदेश के लिए लेते हैं सेल्फी

अन्य भी ले प्रेरणा

इन सामग्री का किया उपयोग

बना दिया प्लास्टिक का पेड़

दैनिक भास्कर इंदौर 07-02-2024

सौर मित्र अभियान • दूसरा पुरस्कार 25 लाख और तीसरा 10 लाख का रहेगा, जोनल अधिकारी को भी करेंगे पुरस्कृत

सर्वाधिक सोलर सिस्टम लगाने वाली कॉलोनी को 50 लाख का पुरस्कार

शत-प्रतिशत सोलर सिस्टम वाली कॉलोनी में होंगे 10 लाख के अतिरिक्त काम

Navi Mum India's 3rd cleanest city

City gets highest 7-Star rating for being garbage-free; hygiene city's identity, says civic chief

BHALCHANDRA CHORGHADE / Navi Mumbai

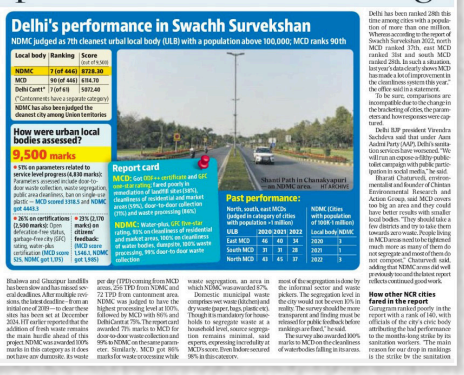

The Navi Mumbai Municipal Corporation (NMMC) has been ranked third among the cleanest cities in the country in the 'Swachh Survekshan 2023' and has consistently maintained the first position in Maharashtra. This year, Indore and Surat have been given the first rank nationally, followed by Navi Mumbai.

Apart from this, Navi Mumbai has received the highest 7 Star rating for the garbage-free city. It is the only city in the state and one of the two cities in the country to receive seven stars. Along with this, Navi Mumbai has maintained the highest waterplus rating in the ODF category of pollution-free cities.

In the grand prize distribution ceremony of 'Swachh Survekshan 2023' held at Bharat Mandapam in New Delhi, under the auspices of the President of India Draupadi Murmu, the Commissioner of Navi Mumbai Municipal Corporation Rajesh Narvekar accepted the award. Union Urban Development and Housing Minister Hardeep Singh Puri Union Secretary Manish Joshi and other dignitaries were also present on the occasion.

Engineer Sanjay Desai, Deputy Commissioner of Solid Waste Management Department and Nodal Officer of Swachh Bharat Mission Dr. Babasaheb Rajale, Additional City Engineer Manoj Patil and Shirish Aradwad.

"Cleanliness has now become the identity of the city and due to the increasing active participation of the citizens, who are aware of the cleanliness, the rating of Navi Mumbai in cleanliness has risen and the result of this award is dedicated to the contribution of cleanliness-loving citizens and sanitation workers," Municipal Commissioner Rajesh Narvekar said and expressed the opinion that this national award is the result of the combined work of sanitation workers, officials, employees, public representatives.

Under the 'Swachh Survekshan 2023', the central inspection team of 'Swachh Bharat Mission' conducted the inspection of documents as well as citizens and ranked accordingly. Narvekar was accompanied by the Additional Commissioner Sujata Dhole, City

STATURE SECRETS

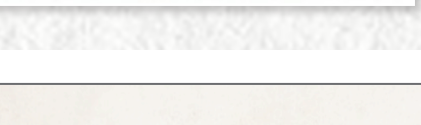

Three NMMC activities accorded 'Best of India' status: Over one lakh citizens and students gathered in eight divisions and took the cleanliness oath; a record 26,000 citizens took digital cleanliness oath in a single day; record participation of 2.83 lakh students in a painting competition.

Recycle Mart in D Mart and Recycle Bazaar in Apna Bazar: Discount points offered for buying new items in exchange for dry waste like drinking water bottles and glass items.

Scrap Nest: Three Rs on Wheels; doorstep buying of junk and dry waste.

Dry Waste Bank: Implemented by civic schools to inculcate the habit of cleanliness.

Gaming zone under the Sanpada flyover is noted at the national level; industrialist Anand Mahindra tweeted about it.

Fish Fed: Innovative initiative implemented on a pilot basis in the Diwale fish market for waste.

C&D waste project: For construction and demolition debris turned into gravel and sand for civic facility works.

Mechanical cleaning: Prioritising the safety of cleaners

Hyderabad breaks into top 10 Swachh cities for first time

Best performance since formation of state in 2014

FIVE AWARDS GIVEN TO HYDERABAD UNDER SWACHH SURVEKSHAN 2023
- 9th Clean City in India
- 5 star rated garbage free city in India
- Clean city in Telangana
- First 5 star rated city in Telangana (population > 1 lakh)
- Re-certified as water plus City

COMPONENTS FOR ACHIEVING GARBAGE FREE STATUS

BEST ULBS IN T
- Nizampet
- Medchal
- Peerzadiguda
- Narsingi
- Ibrahimpatnam
- Shamshabad
- Dubbaka
- Nagaram
- Vellandu
- Turkayamjal
- Bollaram
- Huzurabad
- Ameenpur
- Boduppal
- Bandlaguda Jagir

Union minister Hardeep Singh Puri presents award to GHMC chief Ronald Rose in New Delhi on Thursday

WATER PLUS CITY

अमर उजाला देश

स्वच्छ सर्वे : राष्ट्रपति व हरदीप पुरी ने राज्यों के प्रतिनिधियों को किया सम्मानित

इंदौर और सूरत देश के सबसे स्वच्छ शहर, महाराष्ट्र राज्यों में सबसे आगे

दैनिक भास्कर रतलाम 19-02-2024

निर्मल मैराथन • दैनिक भास्कर और नगर पालिक निगम के तत्वावधान में दौड़

स्वच्छता के लिए दौड़े शहरवासी, हर वर्ग में दिखा उत्साह, सिद्धार्थ, सुनीता और जूलियस ने मारी बाजी

स्वच्छता खबरों में...

RECYLING PUSH

Hardeep Singh Puri, Union minister

Cleanliness has become a social revolution and the impact can be seen everywhere. Waste processing has increased from 15-16% in 2014 to 76% in 2023. In the next 2-3 years, we will process 100% waste produced.

[SWACHH SURVEKSHAN 2023]

Varanasi and Prayagraj 'Cleanest Ganga Towns', 65 U.P. cities garbage-free

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

LUCKNOW: Varanasi secured the top spot and Prayagraj was second best as the 'Cleanest Ganga Towns' nationwide in the Swachh Survekshan 2023 results even as 65 Uttar Pradesh cities were adjudged garbage-free, a marked increase from 2021 when only five cities in the state had bagged the status.

Furthermore, all cities in Uttar Pradesh have become open defecation free this year.

The awards instituted by the Union ministry of housing and urban affairs were given away by President Droupadi Murmu at a ceremony organised at Bharat Mandapam in New Delhi.

Chief minister Yogi Adityanath on X said, "Under the guidance of PM Narendra Modi the resolve to make 'Swacha UP' is getting real. The role of Varanasi and Prayagraj people in the journey towards prosperity through cleanliness is praiseworthy. Congratulations to all".

"U.P. has made history as it is the first time that two major cities in the state have received national awards. Not only that, out of the 13 cities receiving national awards, two are from Uttar Pradesh," the state's urban

U.P. urban development minister AK Sharma receives 'Cleanest Ganga Town' award for Varanasi from President Droupadi Murmu during the Swachh Survekshan Awards 2023 ceremony in New Delhi on Thursday. ANI PHOTO

Indore again tops Swachh rankings, Surat joint first

NEW DELHI: Indore and Surat were jointly declared the cleanest cities in India in the Swachh Survekshan Awards-2023, presented by President Droupadi Murmu at the Bharat Mandapam on Thursday. This was the seventh time in a row that Indore won the accolade, and the first that Surat got the pole position, although shared. Navi Mumbai, which came third in last year's competition, retained its position.

On the other end of the spectrum, three of the lowest-ranked cities in the million-plus population category were in WB: Howrah at the bottom, with Asansol, Kolkata following closely as the worst-performing cities on cleanliness indicators. →PTI

नप ने की मंदिरों और आसपास क्षेत्र की सफाई

संवाद सहयोगी, झुमरीतिलैया (कोडरमा) : स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश पर प्रदेश के सभी नगर निकाय में 'स्वच्छ तीर्थ अभियान' चलाया जा रहा है। इसके तहत झुमरीतिलैया नगर परिषद क्षेत्र के सभी धार्मिक स्थलों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों की गहन सफाई की गई। स्थानीय धार्मिक व सामाजिक समितियों के साथ बैठक कर मंदिरों में सफाई व्यवस्था की तैयारी पर चर्चा की गई। साथ ही सफाई कर्मियों की दो टीमों का गठन किया गया।नगर प्रशासक हर्षवर्धन ने बताया कि सभी मंदिरों व शहर की सफाई को लेकर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। बेहतर सफाई व्यवस्था के लिए कई टीमें बनाई गई हैं। पिछले तीन दिनों से नगर परिषद क्षेत्र के सभी मंदिरों की सफाई की जा रही है। रविवार को सभी मंदिरों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया। मंदिरों के अलावा उसके आसपास क्षेत्र में भी सफाई की गई। सोमवार को भी सफाई कर्मियों की मंदिरों के आसपास सफाई के लिए लगाया जाएगा। वहीं नोडल पदाधिकारी श्री अरविंद कुमार मोदी ने बताया कि कोडरमा स्टेशन के पास काली मंदिर, डाक्टर गली हनुमान मंदिर, सामंतो काली मंदिर, श्रीसंकटमोचन मंदिर महाराणा प्रताप चौक, श्रीराम मंदिर सीएच स्कूल रोड, श्री सत्यनारायण मंदिर खुदरापट्टी, जैन मंदिर रजगढ़िया रोड, गायत्री शक्तिपीठ बाईपास रोड, गुरुद्वारा डाक्टर गली, बेलाटांड मंदिर, दुर्गा मंदिर गुमो आदि की सफाई की गई। स्वच्छता निरीक्षक राजू राम की निगरानी में सफाई कर्मियों ने सभी मंदिरों की सफाई की। इस दौरान सहायक अनिल कुमार, फील्ड सुपरवाइजर बलराम कुशवाहा, मुकेश राणा व उमेश कुमार आदि थे।

कोडरमा स्टेशन स्थित काली मंदिर में हुई सफाई • जागरण

मंदिरों में स्वच्छता के लिए कारसेवा आरंभ

दैनिक जागरण की मुहिम 'स्वच्छता के लिए कारसेवा' से जुड़े दिल्ली के समस्त मंदिर और लोग

स्वच्छता के लिए कारसेवा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: अयोध्या के भव्य राम मंदिर के साथ ही संपूर्ण विश्व के हिंदुओं के दिल में राम विराजमान हो रहे हैं। साथ ही घर के नजदीक के मंदिरों की भी सुध ली जाने लगी है। दैनिक जागरण ने स्वच्छता के लिए कार सेवा मुहिम शुरू की है। इसके तहत कश्मीरी गेट स्थित मरघट वाला मंदिर में साफ-सफाई की गई। इस कारसेवा में दिल्ली भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल मिश्रा, मरघट वाले बाबा मंदिर की मुख्य, पंडित वैभव शर्मा, भाजपा नेता दीपांशु श्रीवास्तव समेत अन्य ने झाड़ू लगाने के साथ ही मंदिर परिसर की फर्श की धुलाई भी की।

प्राचीन सिद्ध पीठ मंदिर श्री नरसिंह जी व सिद्ध हनुमान जी मंदिर, चांदनी चौक में भी अभियान चला, जिसमें महंत गौरव शर्मा, पंडित मेघश्याम शर्मा, पंडित विजय शर्मा, राजीव गुप्ता और आकाश शर्मा ने मंदिर की सफाई कर कारसेवा की। दक्षिणी दिल्ली में दैनिक जागरण के मंदिरों में सफाई अभियान के तहत दक्षिणी दिल्ली सांसद रमेश बिधूड़ी ने तुगलकाबाद स्थित शिव मंदिर में सफाई अभियान चलाया। उन्होंने लोगों के साथ मिलकर सफाई की। उन्होंने कहा कि हम सभी को प्रतिदिन मंदिरों की सफाई करनी चाहिए। इस मौके पर तुगलकाबाद भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष बिधूड़ी, वेदू बिधूड़ी, कल्लू कोगर, रमेश गुप्ता, तिलक मास्टर, पुनीत मंडार, राजेंद्र खोवाल आदि मौजूद रहे।

यमुनापार में रविवार को दो मंदिरों में सफाई अभियान चलाया गया। ब्रह्मपुरी स्थित गौरा शिव मंदिर में सफाई अभियान चलाया। मंदिर के पुजारी बृजमोहन पचौरी के साथ लोगों ने मंदिर व उसके आसपास की सफाई की। इस मौके पर शांतनु मिश्रा, देवेंद्र चौधरी, मुकेश शुक्ला, राकेश पांडेय, राहुल जैन, श्यामवीर गुर्जर, ज्योति ठाकुर, अनिल गुप्ता, मुकेश शर्मा मौजूद रहे। वेस्ट गोरख पार्क स्थित श्रीराजमाता झंडे वाले मंदिर में स्वामी राजेश्वरानंद महाराज ने श्रद्धालुओं व सेवकों के साथ मिलकर मंदिर की सफाई की।

बाहरी दिल्ली क्षेत्र के मंदिरों में दैनिक जागरण के कारसेवा स्वच्छता अभियान के तहत रविवार को दो मंदिरों में सफाई अभियान चलाया गया। रोहिणी सेक्टर-2 के श्री शिव बालेश्वर मंदिर में भी सफाई हुई। सफाई कार्यों में सेवादार श्रीकांत शर्मा, बबली, मीना यादव, बेबी गुप्ता, भावना, चंदू वर्मा ने प्रमुखता से भाग लिया। इस मौके पर मंदिर में आए श्रद्धालुओं ने भी सफाई में योगदान दिया।अवंतिका के श्री दुर्गा मंदिर में सफाई हुई। मंदिर के पदाधिकारियों में वीरेंद्र शास्त्री, अमरनाथ मिश्रा, संजय कौशिक सहित सेवादार संतोष पांडेय, अशोक शर्मा, रामवती, गीता, मोहित ने सफाई में हिस्सा लिया।

मरघट वाले बाबा मंदिर में सेवा करते भाजपा दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल मिश्रा • जागरण

चांदनी चौक स्थित हनुमान मंदिर में सफाई करते महंत गौरव शर्मा व अन्य • जागरण

अवंतिका के श्री दुर्गा मंदिर में सफाई करते पदाधिकारी • जागरण

रोहिणी सेक्टर-2 के श्री शिव बालेश्वर मंदिर में हो रही सफाई • जागरण

भगवान राम जब आ रहे हैं तो हमारे क्षेत्र का एक भी मंदिर-एक भी तीर्थ क्षेत्र गंदा नहीं रहना चाहिए। मंदिरों में स्वच्छता के लिए कारसेवा का यह संकल्प अगर आपने भी धारण किया है तो सफाई कार्य की तस्वीर मंदिर की जानकारी के साथ हमें भेजें, हम उसे प्रकाशित करेंगे। मंदिर में सफाई से पहले की स्थिति की तस्वीर भी भेजने का आग्रह है।
ईमेल: reporter@nda.jagran.com
वाट्सएप नंबर : 8175813532

स्वच्छ तीर्थ अभियान' के तहत झुमरी तिलैया नगर परिषद के सभी मंदिर को किया गया स्वच्छ

रांची एक्सप्रेस संवाददाता झुमरी तिलैया स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश पर प्रदेश के सभी नगर निकाय में %स्वच्छ तीर्थ अभियान% चलाया जा रहा है। इसके तहत झुमरी तिलैया नगर परिषद क्षेत्र के सभी धार्मिक स्थलों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों की गहन सफाई की गई। स्थानीय धार्मिक व सामाजिक समितियों के साथ बैठक कर मंदिरों में सफाई व्यवस्था की तैयारी पर चर्चा की गई। साथ ही सफाई कर्मियों की दो टीमों का गठन किया गया। नगर प्रशासक हर्षवर्धन ने बताया कि सभी मंदिरों व शहर की सफाई को लेकर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। बेहतर सफाई व्यवस्था के लिए कई टीमें बनाई गई हैं। पिछले तीन दिनों से नगर परिषद क्षेत्र के सभी मंदिरों की सफाई की जा रही है। रविवार को सभी मंदिरों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया। मंदिरों के अलावा उसके आसपास क्षेत्र में भी सफाई की गई। सोमवार को भी सफाई कर्मियों की मंदिरों के आसपास सफाई के लिए लगाया जाएगा। वहीं नोडल पदाधिकारी डा. अरविंद कुमार मोदी ने बताया कि कोडरमा स्टेशन के पास काली मंदिर, डाक्टर गली हनुमान मंदिर, सामंतो काली मंदिर, श्रीसंकटमोचन मंदिर महाराणा प्रताप चौक, श्रीराम मंदिर सीएच स्कूल रोड, श्री सत्यनारायण मंदिर खुदरापट्टी, जैन मंदिर रजगढ़िया रोड, गायत्री शक्तिपीठ बाईपास रोड, गुरुद्वारा डाक्टर गली, बेलाटांड मंदिर, दुर्गा मंदिर गुमो आदि की सफाई की गई। स्वच्छता निरीक्षक राजू राम की निगरानी में सफाई कर्मियों ने सभी मंदिरों की सफाई की। इस दौरान सहायक अनिल कुमार, फील्ड सुपरवाइजर बलराम कुशवाहा, मुकेश राणा व उमेश कुमार, सफाई जमादार दिनेश यादव व मिथिलेश भुइयां आदि मौजूद रहे।

रीवा में अब कोयला, पानी, सोलर के बाद कचरे से भी बनेगी बिजली: राजेन्द्र शुक्ल

वेस्ट टू एनर्जी प्लांट से 6 मेगावाट बिजली का होगा उत्पादन

जागरण,रीवा

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने पहड़िया ग्राम में 158.67 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का शुभारंभ किया। शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि रीवा में अब कोयला, पानी, सोलर के बाद कचरे से बिजली बनाई जाएगी। नगरीय निकायों से निकलने वाले कचरे का निष्पादन कर वेस्ट टू एनर्जी प्लांट से 6 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। उन्होंने कहा कि कचरे के निष्पादन से जहाँ बिजली पैदा होगी वहीं दूसरी ओर अपशिष्ट प्रबंधन के तहत रीवा व विन्ध्य को साफ सुथरा बनाने का संकल्प भी पूरा होगा। एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत रीवा क्लस्टर वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि इस संयंत्र के बन जाने से रीवा संभाग के 28 नगरीय निकायों का कचरा बिजली बनाने के काम में आएगा। उन्होंने संबंधित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से अपेक्षा की कि समन्वय बनाकर कचरे का निष्पादन कराएं ताकि सभी नगरीय निकाय साफ सुथरे रहें। उन्होंने कहा कि अपने शहर व गांव को स्वच्छ रखने में सभी लोग समवेत हों और प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन के राष्ट्रीय आंदोलन के संकल्प को पूरा करने में भागीदार बनें।

■ उप मुख्यमंत्री ने अपशिष्ट से बिजली बनाने के ऊर्जा संयंत्र के कमीशनिंग कार्य का किया शुभारंभ

स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता साकार हो रही: जर्नादन : इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि कचरे से बिजली का बनना उसी प्रकार है जैसे कचरे में सोना मिलना होता है। प्रधानमंत्री की स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता साकार हो रही है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल की सोच को साकार रूप प्राप्त करने के लिए साधुवाद दिया।

यह रहे मौजूद : कार्यक्रम में महापौर सतना योगेश ताम्रकार, आयुक्त नगर निगम सतना सहित रीवा, सतना, सीधी, मऊगंज व मैहर नगरीय निकायों के अध्यक्ष व रीवा नगर निगम के पार्षदगण उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन अधीक्षण यंत्री नगर निगम रीवा शैलेन्द्र शुक्ला ने किया।

देश का 9वां प्लांट है पहड़िया

इस अवसर पर रैमकी कंपनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मसूद मलिक ने बताया कि यह अत्याधुनिक प्लांट देश का 9वां प्लांट है जो अपशिष्ट को निष्पादित कर बिजली उत्पादन के साथ स्वच्छ भारत के संकल्प को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि यह प्लांट उप मुख्यमंत्री की सोच का परिणाम है जो आज साकार रूप प्राप्त कर रहा है।

विंध्य की तस्वीर व तकदीर बदल गई: व्यंकटेश

कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय ने कहा कि उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के प्रयासों से रीवा व विन्ध्य की तकदीर व तस्वीर बदल गई है और रीवा हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि अत्याधुनिक कचरा प्लांट से बिजली पैदा होगी और पर्यावरण स्वच्छ रहेगा। उन्होंने कहा कि पहड़िया का कचरा संयंत्र मध्यप्रदेश में मील का पत्थर साबित होगा। इससे पूर्व स्वागत उद्बोधन देते हुए आयुक्त नगर निगम संस्कृति जैन ने बताया कि रीवा, सतना, सीधी, मैहर व मऊगंज जिले के 28 नगरीय निकायों के ठोस अपशिष्ट से रैमकी कंपनी द्वारा 6 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

कार्यक्रम का संचालन कार्यपालन यंत्री एसके चतुर्वेदी ने किया। इस दौरान नगरीय निकायों के सीएमओ तथा नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में पहड़िया तथा आसपास के ग्रामवासी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री सहित अतिथियों ने प्लांट के शुभारंभ के उपरांत संयंत्र का भ्रमण किया।

शासनादेश के परिपालन में नगर निगम क्षेत्र में चलाई जा रही स्वच्छता की विभिन्न गतिविधियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

शासन आदेश के परिपालन मे निगम आयुक्त चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देश अनुसार स्वच्छ भारत मिशन- 2.0 के अंतर्गत नागरिक सहभागिता से स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नगर निगम द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार को थैला बैंक, आर-आर-आर केंद्रों का संचालन करना और उनके माध्यम से नागरिकों को अपने घरों में उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित करना, पॉलिथीन का उपयोग रोकने के लिए 3 आर सेंटर पर स्वसहायता समूह के माध्यम से थैला निर्माण, पुराने कपड़े केंद्र पर देने और सिंगल यूज पालीथिन का उपयोग को रोकने के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से नगर निगम के जोन प्रभारियों, सफाई दरोगाओं द्वारा नागरिकों और स्वसहायता समूह की महिलाओं के सहयोग से अभियान चलाकर वार्डों और बाजार क्षेत्र में संपर्क कर नागरिकों को कचरे का उत्सर्जन कम करने, कचरे में से कोई उपयोग योग्य सामग्री शेष रह गयी हो तो उसका पुनः उपयोग करने, कचरे के रूप में प्राप्त कबाड़ सामग्री से उपयोगी वस्तु बनाने के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस प्रकार हम जो कुछ भी उत्पादित और उपयोग करते हैं उसका किसी न किसी तरह से पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है इसलिए कचरे में कटौती करना स्वच्छ पर्यावरण को बनाने मे मददगार हो सकता है।

बेरोजगारों के लिए नारियल वेस्ट बना रोजगार का साधन

मंदिरों से हर दिन निकलने वाले वेस्ट को दी खाद की शक्ल

भोपाल (आरएनएन)। राजधानी के प्रमुख मंदिरों के अलावा गली-मोहल्लों के मंदिरों से निकलने वाले नारियल वेस्ट भी रोजगार का साधन बन गया है। शहर के एक युवा ने तीन साल में इस वेस्ट को न केवल रोजगार का साधन बनाया, बल्कि इस वेस्ट को खाद के रूप में विकसित कर दिखाया। अब शहर ही नहीं, देशभर में इस वेस्ट से बने उत्पादों की डिमांड बढ़ने लगी है। अब इस आईडिया के दायरे को बढ़ावा देने के लिए शहर के हर मंदिर में एक थैला लटकाया जाएगा, ताकि लोग पूजन के बाद निकले नारियल वेस्ट को कचरे में न फेंकते हुए सीधे थैले में डाल सकें।

गौरतलब है कि एक अनुमान राजधानी के मंदिरों से निकलने वाले नारियल का वेस्ट करीब 12 से 15 टन महीने निकलता है, जो पहले सीधे कचरे में डाला जाता था। ऐसे करने से लोगों की आस्था को चोट पहुंचती थी और इसका कोई उपयोग भी नहीं होता था। लेकिन अब यही नारियल का वेस्ट रोजगार का जरिया बन गया है और वेस्ट पर्यावरण के लिए कारगर साबित हो रहा है। राजधानी के प्रकाश चढोकर ने मंदिरों में चढ़ाए जाने वाले नारियल में स्वरोजगार का ऐसा जरिया ढूंढा और आज अपना स्टार्टअप चला रहे हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड ने भी कोको वेस्ट मैनेजमेंट स्टार्टअप को बढ़ावा दिया है।

दुबई की जॉब छोड़कर शुरू किया स्टार्टअप

पर्यावरण संरक्षण के साथ प्रकाश स्टार्टअप से प्रतिमाह एक लाख रुपए तक की बचत कर रहे हैं। प्रकाश प्रत्यक्ष रूप से युवाओं को रोजगार मुहैया करा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत वह मंदिरों से एकत्र नारियल वेस्ट से विभिन्न उत्पाद तैयार करते हैं। भोपाल के ही पॉलीटेक्निक कॉलेज से उन्होंने प्रोडक्शन इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। 2014 में कैंपस से ही दुबई में एक मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब भी मिल गई। अच्छी जॉब के बावजूद प्रकाश का अलग करने का सपना मन में रहा। वे 2017 में भारत लौटे और काम शुरू कर दिया।

ऑर्गेनिक फॉर्मिंग के लिए उपयुक्त है कोको वेस्ट

ऑर्गेनिक फॉर्मिंग करने वाले किसानों के लिए यह कोको वेस्ट एक फायदेमंद विकल्प हो सकता है। इसकी सेल से खेत की मेढ़ बनाने से कई फायदे है। अभी हर महीने 10 टन फायबर, कोको पिट और नटकट हार्ड सेल बनाए जा रहे हैं। प्रकाश बताते है कि सलकनपुर मंदिर सहित शहर के सभी मंदिरों से वेस्ट कलेक्शन किया जा रहा है। नगर निगम को भी उन्होंने इसके लिए पत्र लिखा है कि निगम डेली कचरा कलेक्शन के दौरान कोको वेस्ट कलेक्शन कर हमें दे सकती है। इसके लिए वह बैग देने को तैयार है, जिससे आसानी से वेस्ट एकत्रित हो सके।

अभी मार्केट में कोको वेस्ट मैनेजमेंट की यह है डिमांड

मंडीदीप में उद्योग लगाकर प्रकाश कोको हनी पिट पाउडर बना रहे हैं, यह शुष्क क्षेत्रों में लंबे समय तक पौधों में पानी की कमी नहीं होने देता। जबकि कोकोनट वरमिश सॉयल पौधों को नाईट्रोजन और फॉस्फोरस आदि पोषक तत्व देने का काम करता है। वहीं कोकोनट सेल, यह एक्टीवेटेड कार्बन के रूप में उद्योगों में निर्माण प्रक्रिया के लिए उपयोग किया जाता है।

वेस्ट स्टार्टअप आइडिया अवार्ड

आईआईएम के अक्टूबर 2019 में हुए दीक्षा समारोह में उत्तराखंड के तत्कालीन सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बेहतरीन स्टार्टअप आइडिया के लिए प्रकाश को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इतना ही नही आईआईएम ने उनके प्रोजेक्ट को प्रोत्साहन के लिए भारत सरकार को भेजा। जहां 10 लाख रुपए उन्हें बतौर प्रोत्साहन मिले भी हैं।

Indore again tops Swachh rankings, Surat joint first

Swachh Survekshan awards 2023

Indore and Surat were declared the joint cleanest cities of India as part of the Swachh Survekshan Awards. A look at the highlights

TOP 10 CITIES

Rank	Urban local body, State
1	Indore, Madhya Pradesh
1	Surat, Gujarat
3	Navi Mumbai, Maharashtra
4	Visakhapatnam, Andhra Pradesh
5	Bhopal, Madhya Pradesh
6	Vijaywada, Andhra Pradesh
7	New Delhi (NDMC), Delhi
8	Tirupati, Andhra Pradesh
9	Greater Hyderabad, Telangana
10	Pune, Maharashtra

BOTTOM 3

Rank	ULB, State
1	Kolkata, West Bengal
2	Asansol, West Bengal
3	Haora, West Bengal

TOP STATES

Rank	State	No of ULBs
1	Maharashtra	411
2	Madhya Pradesh	378
3	Chhattisgarh	169

THE MOST IMPROVED

PANAJI, GOA — Fastest moving city with population of over 100,000

NOWROZABAD, MP — Fastest moving city with population less than 100,000

Soumya Chatterjee
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Indore and Surat were jointly declared the cleanest cities in India in the Swachh Survekshan Awards-2023, presented by President Droupadi Murmu at the Bharat Mandapam on Thursday. This was the seventh time in a row that Indore won the accolade, and the first that Surat got the pole position, although shared.

Navi Mumbai, which came third in last year's competition, retained its position.

On the other end of the spectrum, three of the lowest-ranked cities in the million-plus population category were in West Bengal: Haora (Howrah) at the bottom, with Asansol and Kolkata following closely as the worst-performing cities on the cleanliness indicators. Faridabad, in Haryana, and Madurai, Tamil Nadu, were the fourth- and fifth-worst cities on the list.

The Municipal Corporation of Delhi (MCD) was ranked 90th out of 446 cities (in the above 100,000 population category), and the New Delhi Municipal Council area secured the seventh spot (the NDMC area was ranked third in the capital cities list).

The Swachh Survekshan survey is at the centre of the Union government's Swachh Bharat mission, which was launched as one of the big-ticket initiatives by Narendra Modi government in its first few years in power. For the eighth edition of the survey, 3,000 assessors fanned out across 4,500 cities (of these, 3,970 have a population of fewer than 100,000 people) to record a city's performance on 46 parameters, including waste collection, inclusive toilets and improved plastic waste management.

Launching the Swachh Survekshan-2023 dashboard at the Bharat Mandapam in Delhi, President Murmu said the G20 Leaders' Delhi Declaration committed to enhancing environmentally sound waste management, substantially reducing waste generation by 2030, and highlighting the importance of zero waste initiatives. Appreciating the theme of "Reduce, Reuse and Recycle" for the 2024 cleanliness survey, she said: "It is

continued on →8

देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959
14 Feb 2024 - Page 4

बसंत के अवसर पर निगम ने सजाए शहर के कई पार्क, सर्वश्रेष्ठ का दिया संदेश

गाजियाबाद, 13 फरवरी (देशबन्धु)। बसंत पर्व के मद्देनजर शहर को महकाने के लिए नगर निगम ने शहर में कई पार्कों को विशेष रूप से सजाया है। ताकि शहर के नागरिक गुड फील कर सकें। कुछ पार्कों में वेस्ट से बेस्ट की मुहिम पर कार्य किया गया है।

वहीं नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने नागरिकों से ज्यादा से ज्यादा ग्रीनरी करने का आह्वान किया।

उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज बताया कि शहर के सभी पार्कों की नियमित देखरेख की जा रही है जिसमें कई पार्कों में अच्छी घास तथा अच्छी फुलवारी वहां की मिट्टी के क्रम में होती है। सभी पार्कों में नियमित घासो की कटाई, पानी का छिड़काव, पेड़ पौधों की नलाई व अन्य कार्य गाजियाबाद नगर निगम के मालियों व अन्य के द्वारा किए जाते हैं, पार्कों के साथ-साथ ग्रीन बेल्ट तथा सेंट्रल वर्ज को भी नियमित साफ किया जाता है। गाजियाबाद नगर निगम ने संत कबीर पार्क वार्ड संख्या 91 को खराब पड़े टायर ड्रम का इस्तेमाल करते हुए सुंदर-सुंदर फूलों को लगाया है। इसी प्रकार से अन्य सभी जोन में कई पार्क बहुत ही सुसज्जित और सुंदर है जिसमें मुखर्जी पार्क वार्ड संख्या 24, चिरंजीव

■ हर घर में हो फुलवारी : नगर आयुक्त

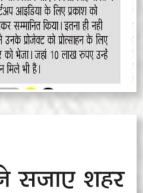

विहार सेंट्रल पार्क, कैप्टन सुरी पार्क वार्ड 47, राजनगर सेक्टर 3 वाला पार्क वार्ड 84, डॉक्टर कपूर पार्क वार्ड संख्या 8, वार्ड 96 अशोक नगर बी ब्लॉक वाला पार्क, विजयनगर के अंतर्गत सेक्टर 9 ई 116 ई 19 के सामने वाला पार्क सेक्टर 11 प्रताप विहार जी ब्लॉक के पार्क, वसुंधरा के अंतर्गत ध्रुव पार्क वार्ड 94, वैशाली सेक्टर 4 का चंद्रशेखर पार्क वार्ड 77, वसुंधरा सेक्टर 6 वार्ड संख्या 61 का पार्क व अन्य कई पार्क पूर्णतया व्यवस्थित है बाकी पार्कों में भी नियमित व्यवस्था कराई जाती है क्षेत्र वासियों का वहां रह वासियों का भी निगम को सहयोग मिलता रहता है जो की सराहनीय है जो पार्क व्यवस्थित नहीं है उन पर ध्यान देकर बेहतर किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने शहर वासियों से भी अपील की है कि वह अपने-अपने घरों में भी फुलवारी अवश्य रखें तथा फुलवारी के अंदर वेस्ट से बेस्ट करने का कार्य करें जिसमें पुराने सामान से फुलवारी को बेहतर करने का कार्य किया जाए। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर को व्यवस्थित और सुसज्जित करने का कार्य किया जा रहा है पार्कों को भी सुंदर बनाने का कार्य चल रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन पर ज्यादा जानकारी के लिए

हमें फॉलो करें:

Swachh Bharat Mission – Urban @SwachhBharatGov sbm_urban Swachh Bharat Urban swachh-bharat-urban